राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 50/- संख्या 2475
आदम
अनुपम
AMIT
नागराज

तुम आज यहां पर इसीलिए हो क्योंकि करोड़ों वर्ष पहले हमने इस आफत को नष्ट करके तुम को पनपने का मौका दिया। इसीलिए बीच में मत आओ।
मैं विवश हूं महात्मन्। ये फिलहाल एक प्रागैतिहासिक खोज है। इसको अंतर्राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जा चुका है। इसीलिए इसको बचाना मेरा फर्ज है।
और इसको खत्म करना मेरा काम है। क्योंकि कभी किसी के वश में नहीं रह सकता....
METRO TRAIN
'संजय गुप्ता' प्रस्तुत करते हैं-
आदम
चित्रः- अनुपम सिन्हा
कथाः- जॉली सिन्हा, अनुपम सिन्हा
इंकिंगः- विनोद कुमार
इफेक्ट्सः- शादाब सिद्दीकी
कैलीग्राफीः- मनोज
सम्पादक मनीष गुप्ता

बस। अब और नहीं।
आह! बड़ी मुश्किल से कालदूत के बंधन तोड़ पाई हूं मैं। बस! अब और नहीं। इस बार या तो ये धरती मेरे कब्जे में होगी...
...या मैं धरती के कब्जे में होऊंगी। और इस बार जो भी मेरे रास्ते में आएगा...

..."मिट जाएगा"
इस धरती पर मेरा सफर यहीं पर खत्म होता है...
...पर जाने से पहले तुमको कुछ खास बातें बतानी बहुत जरूरी हैं बेटा।
क्योंकि तुम खुद बहुत खास हो।
पापा। आप...आप।
रो मत। एक दिन तू खुद अपने बेटे को ये सब ऐसे ही बता रहा होगा अब सुन ध्यान से...

आऽऽऽह! शक्तियां अभी भी हैं मेरे पास। पर उन शक्तियों की धार कुछ कम हो गई है। मेरा धन, मेरा स्वर्ण छीन कर कालदूत ने मुझे निर्बल कर दिया है।
मुझे ढेर सारा स्वर्ण चाहिए। क्योंकि स्वर्ण ऊर्जा नागशक्ति को बढ़ाती है।
पर सोना ढूंढने जाऊं कहां? यहां से एक कदम भी बाहर निकाला तो या तो कालदूत मुझे पकड़ लेगा या फिर नागराज मुझे सूंघता हुआ आ धमकेगा।
ये रोशनी!
ये...ये ऊर्जा तो..।। कहीं मुझे वहम तो नहीं हो रहा है?
नहीं। ये...ये नहीं हो सकता! ये तो असंभव है!
पर अगर मैं इस शक्ति को संचित कर सकूं...

तो फिर मेरे लिए कुछ भी असंभव नहीं रहेगा!
हाहाहा। वैसे तो कोई भी स्त्री इस शक्ति को धारण नहीं कर सकती, परंतु मेरा तंत्र मुंड इस शक्ति को धारण कर रहा है और उसका परिष्कृत रूप मुझ तक पहुंच रहा है।

"अब पता नहीं इस महाशक्ति को मेरा मुंड कब तक संभाले रख पाएगा। लेकिन जब तक यह शक्ति मेरे काबू में है तब तक मुझे अपनी मंजिल को ढूंढ ही लेना है"...
आभूषण एवं र
JEV
...“और हासिल भी कर लेना है।”
DIS Jwellers & SONS
OLHC D
हीहीही। जानते हो इन खिलौनो को मैं क्या कहती हूं?
TOPAZ
गन गुलेल। क्योंकि मेरे सामने इनकी औकात गुलेल से ज्यादा नहीं है!

ओ। काफी हिम्मती हो तुम दोनों। और हिम्मत वालों की मैं कद्र भी करती हूं...
...और चिथड़े भी।
अरे।
इनके तो चिथड़े उड़ जाने चाहिए थे। पर ये तो वार को झेल गए पर कैसे?
इस वार को तो ईच्छाधारी सर्प ही झेल सकते हैं। और अगर ये इच्छाधारी सर्प हैं...
तो मैं इनको पहचान क्यों नहीं पा रही हूं। भला कोई ईच्छाधारी सर्प मेरी आंखों से कैसे छुप सकता है।
ये कमाल सौडांगी द्वारा गार्ड सर्पों को दिए गए उन नेम प्लेटस का था जो मंत्रित इजिप्शियन धातु से बने थे। उनके शरीर पर रहते कोई भी ईच्छाधारी नागों को पहचान नहीं सकता था।
खैर, कुछ भी हो इस पर सोचना कैसा? क्योंकि मेरे पास इस वक्त जो शक्ति है...
...उसका सामना तो नागशक्ति भी कभी नहीं कर सकती।

वह नाग शक्ति जो अब मुझे चाहिए और उस शक्ति को चॉर्ज करेंगे...
ये स्वर्णाभूषण और उनमें जड़े कीमती रत्न। वाह! ऐसी सेंक मिल रही है...
...जैसे कहीं ठंड में ठिठुरते मानव को अलाव से सेंक मिलती है।
...नागराज! मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी।
पर ये सेंक दूसरों के घरों में आग लगाकर नहीं ली जाती।
मुझे तो लग रहा था कि शायद तुम मेरे जाने तक आ ही नहीं पाओगे...
पर मुझे तेरे यहां पर आने की उम्मीद कतई नहीं थी, खास तौर से नागद्वीप से मिली सूचना के बाद कि तू बंधनों से आजाद हो गई है और भागती-छुपती फिर रही है।

भागती तो नहीं पर छुपती जरूर फिर रही थी। जैसे कि अब मेरा विरोध करने वाले नाग करेंगे। कालदूत सहित।
तेरे इस तरह से यहां पर आने का कारण तो मैं समझ नहीं पा रहा हूं, पर इतना जरूर जानता हूं कि तुझे वहीं पर वापस जाना होगा, जहां से तू आई है!
कालदूत ने मुझसे मेरी संपत्ति छीन कर मुझ से जो ऊर्जा ले ली थी, उसी को वापस लेने आई हूं मैं यहां।
इन किरणों में लेजर से दस गुना अधिक शक्ति है।
पर तू चाहे जितनी ऊर्जा पा ले, इन बंधनो से निकलने की चेष्टा मत करना।
ये खास रेडियोधर्मी विष से युक्त सर्पों द्वारा रचित बंधन है।
तेरे जैसी नागिन भी अगर इनको पार करने की कोशिश करेगी...
तो वह पहले तो मक्खन की तरह कटेगी और फिर पिघल जाएगी
असंभव!...ये...ये नहीं हो सकता। इस कैद को तो शायद महात्मा कालदूत भी पार नहीं कर पाते।
मैं..कर सकती हूं। क्योंकि इस वक्त जो शक्ति मेरे पास है वह एक ही बात मानती है...

कोई हथियार नहीं, सिर्फ हाथ!
धड़ाक
PEARL
Tanishq

आप क्यों चले गए...
...पापा! आप कहां चले गए? कहां है आप?
कहां चले गए...?
...पापा?
पापा!!
पापाSSSSS!
आSSSह! ये...तो ऐसा लगा जैसे पूरा चांद मुझ पर आ गिरा हो।
आज मैं तुझे मान गई नागराजा
ये वार तो किसी महाबली नाग को भी चिथड़ो में बदल देता।

पर तुझ पर तो कुछ खास असर नहीं हुआ।
आऽऽह। तुझ में सचमुच कुछ खास शक्ति आ गई है नगीना। अब अगर तू नहीं रुकी...
...तो मुझे भी तुझ पर और घातक वार करना होगा! ....पर मैं तुझे...
...नुक्सान पहुंचाना नहीं चाहता?
तू मुझे नुक्सान पहुंचा भी नहीं सकता नागराज।
मेरी विष फुंकार कोई अस्त्र नहीं है, नगीना।
ओह। खौं खौं।

अगर तू शारीरिक शक्ति के अलावा और किसी भी चीज का प्रयोग करेगा तो वह हथियार होगा और वह मेरी शक्ति को अमान्य होगा।
तेरे पास तो लाखों सर्प का शारीरिक बल है, नागराज। आज तू उसे मेरी शक्ति से टकरा कर आजमाने का मौका ले ही ले।
वर्ना तुझे दूसरा मौका कभी नहीं मिलेगा।
आऽऽऽऽह!! लगता है जैसे...किसी ने मेरी छाती पर...हिमालय रख दिया हो।
ईच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके...
...इस मुसीबत से बचना...आहऽऽऽ
ये क्या?

तू अपने शरीर को कुछ भी बना ले, पर मेरे प्रहार से अब बच नहीं सकता। नागराजा तू पिटेगा, मेरे वारों का महसूस भी करेगा।
...और तब तक महसूस करता रहेगा, जब तक तू कुछ भी महसूस न करने की स्थिति में न पहुँच जाए।
आऽहा ऐसी शक्ति मैंने पहले कभी नहीं देखी। इस गति से पिटता रहा तो मेरी जान निकलने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।
जब ज्यादा जोर एक ही पैर पर लगाया जाता है तो दूसरा पैर जमा नहीं रह पाता है...
और तब उसे हटाना आसान होता है।...
बस। अब मैं तुझे संभलने का मौका नहीं दूंगा। अब ये मामला ताकत से ही हल होना है...
...तो ताकत से ही सही। अब मैं न अपने कदम पीछे खींचूंगा और न ही वार।
नागराज की नागशक्ति किसी भी ताकत पर भारी पड़ सकती थी।

पर उस शक्ति पर नहीं जो फिलहाल नगीना के पास थी।
हे भगवान!
भागो। बाहर भागो। ये हॉल कभी भी गिर सकता है।
बाहर भागो!
इसी हॉल को तेरी समाधि के नाम से जाना जाएगा नागराज!
आऽऽऽह! कुछ करना होगा। देखते हैं कि नगीना पर अगर किसी सीधे वार का असर नहीं होता है...
...तो कहीं और पर किए गए वार का असर होता है क्या?
होता है। चलो एक रास्ता तो मिला। और ये क्या? नगीना गिरते वक्त अपने मुंड को बचा रही है। क्या मुंड ही इसको यह शक्ति दे रहा है?

अगर ऐसा है, तो अगला वार मुंड पर होना चाहिए!
मेरा ख्याल सही है। मुंड पर वार होने से नगीना की शक्ति क्षीण हो रही है।
और अब इस पर...
...मेरे वारों का असर होगा।

लेकिन-
ओ नो। मैं कैसे भूल गया।
पापा!
पर अब देर हो चुकी थी।
पर ये आफत भी दो महाशक्तियों के बीच के उस युद्ध को रोक नही सकती थी।
अरे, वो बच्चा किसका है। पकड़ो उसे!!
ईSSSS। वो तो खांचे में गिर गया!!
किसका है ये बच्चा!!
फायर ब्रिगेड वाले कहां रह गए। आते क्यों नहीं।
फायर ब्रिगेड के आने और मलबा हटाने तक...

...शायद कोई बचाने के लिए बचने वाला ही नहीं था।
क्योंकि उनसे पहले वहां पर पहुंच चुकी थी-
...मौत!
पापाSSS!

बड़ाऽऽऽम
धम्मम्
नागराज!
नीचे कितने लोगों के दबे होने की आशंका है।
फायर ब्रिगेड को घटना स्थल तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा।
नीचे तो कोई भी नहीं है। किसी ने उस औरत या किसी बच्चे को मलबे से बाहर निकलते देखा है?

बच्चे को मलबे में गिरते देखा था। पर बाहर आते नहीं देखा।
और वह औरत भी इधर नहीं आई!!
आश्चर्य है। एक छोटा सा लड़का सिर्फ एक घूंसे से भला मुझे बेहोश कैसे कर सकता है। चाहे कुछ ही पलों के लिए सही।
और उन ही कुछ पलों में नगीना और वह लड़का गायब कैसे हो सकते हैं।
यह रहस्य जानने के लिए और नगीना के विषय में जानकारी देने के लिए मुझे महात्मा कालदूत से मिलना होगा।
नगीना को तो बाद में भी ढूंढ ही निकालूंगा।
ओफ्! न जाने कौन था वह शैतान। पर वह मुझसे शक्ति कैसे ले गया? खैर, जिंदा तो छोड गया ना।
ये भी अच्छा हुआ कि नागराज के संभलने से पहले मैं संभल गई और तंत्र शक्ति से बाहर आ गई।
स्वर्ण ऊर्जा ने मुझे अब ज्यादा तो नहीं, पर इतनी शक्ति तो दे ही दी है कि मैं अपने आप को कालदूत और नागराज की नजरों से छुपा सकूं।
और...अरे!!
ये जरूर उसी लड़के का खून और खाल होगी जो मैंने अंजाने में नोच ली है।
और ये सामान्य ऊतक नहीं है। सामान्य ऊतक अंधेरे में नही चमकते। देखना पड़ेगा कि ये क्या चीज है। शायद इसके माध्यम से मैं उस शक्ति को दुबारा हासिल कर सकूं जो मुझ से फिलहाल खो गई है।
और उसके बाद न मुझे कालदूत का डर रहेगा...
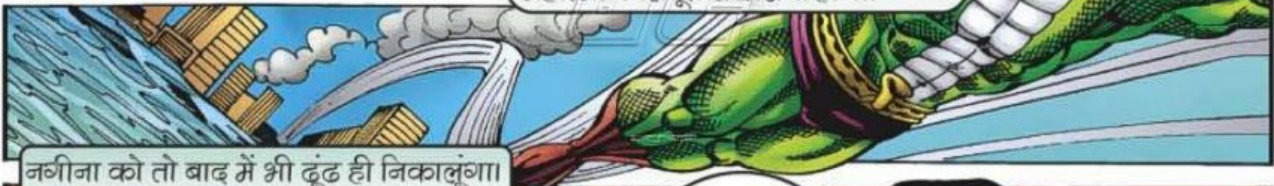
"और न ही नागराज का।"
ओह! एकाएक मुझे अपना शरीर हल्का क्यों लग रहा है?
मैं...मैं उड़ नहीं पा रहा हूं!
कीं ईं
मेरी शक्तियां कम हो रही हैं। पर क्यों? क्या... क्या ये भी उस लड़के के वार के कारण है!
शुक्र है कि उसने मुझे तैरना नहीं भुला दिया। अब तो महात्मा कालदूत से मिलना और भी आवश्यक होता जा रहा है।
क्योंकि इस बात का जवाब सिर्फ वे ही दे सकते हैं कि...
...कौन है वह छोटा सा लड़का महात्मन्?
उसने सचमुच तुमको एक ही वार में बेहोश कर दिया!

ये नहीं हो सकता! उस बालक के पास वह शक्ति नहीं हो सकती! जरूर कोई और बात है।
आप एकाएक इतने परेशान क्यों हो गए महात्मन? मैंने अब से पहले आपको इतना अधिक चिंतित कभी नहीं देखा!!
सही समझे, नागराज। नगीना जैसे खतरे से तो हम लोग कई बार टकरा चुके हैं और कई बार नेस्तनाबूद भी कर चुके हैं।
पर जो शक्ति तुमको एक वार से मूर्छित कर सके उसको रोकना जरा मुश्किल हो सकता है।
हमें उस लड़के को और नुकसान पहुंचाने से पहले ही ढूंढना होगा।
भगवान ना करे कि ये वह निकले जिसकी मुझे आशंका हो रही है।
किसकी, महात्मन्?
बताऊंगा! फिलहाल तो तुम मुझे सिर्फ उसकी आखिरी ज्ञात स्थिति बताओ!
मैं ध्यान के जरिए उसे ढूंढता हूं और सुनो...
जब तक मैं न कहूँ, तब तक अगर तुम्हारा उस लड़के से सामना हो तो कोशिश करना कि कोई टकराव न हो!
तब तक जब तक मैं इस मामले को स्पष्ट न कर लूं!
कालदूत की तलाश अभी शुरू हुई थी-

पर किसी और की तलाश समाप्ति का रुख कर रही थी।
राजस्थान के एक सुदूर रेतीले ईलाके में-
ईईईई। जिसने भी हमको खबर दी थी, एकदम सही दी थी।
ये तो...सचमुच में एक बिल्कुल नई प्रजाति का डायनासौर है। ड्रेगन साइज का डायनासौर!!!
कांग्रेचुलेशन, मैडम तनवी। पर खबर देने वाले ने मैसेज...
हां! मुझे याद है!! साथ में एक लाइन और भेजी थी!...
कि ये खोज डायनासौर से भी बड़ी होगी।
पर हमें तो डायनासौर ही मिला है।
मतलब समझो जॉन! यही है वह बड़ी खोज!!
आराम से एक-एक हड्डी निकालना! ये हड्डियां एकदम मुरमरी होंगी।
फोटोग्रॉफ्स ले लिए न!!

शाम ढलते-ढलते ये स्पष्ट हो गया था कि-
इसके दांत बता रहे है कि ये डायनासौर मांसाहारी होगा। और शायद शाकाहारी भी! क्योंकि इसके मोलर भी हैं चबाने वाले दांत!
इसीलिए इसका नाम हम ओम्नीसौरस रखेंगे। सब कुछ खाने वाला OMNISAURAS!
काम खत्म होते होते काम शुरू हो गया था।
मैडम! मैडम तनवी!
क्या हुआ? ऐसे क्यों चिल्ला रहे हो जैसे जिंदा डायनासौर मिल गया हो।
देखिए हमको डायनासौर की हड्डियों के नीचे क्या मिला है!!
ये...ये हड्डियों के नीचे था!!
इंपासिबल! अगर ये डायनासौर की हड्डियों के नीचे था, तो इसका सीधा सा मतलब ये है...
कि लगभग 18 इंचों के पैरो के निशान इंसान जैसी किसी ऐसी प्रजाति के हैं जो या तो डायनासौरों के साथ रहता था या उससे भी पहले मौजूद था!

इंपासिबल, मैडम! हम दस करोड़ साल पहले की बात कर रहे हैं। आज तक ऐसे प्रमाण कहीं से नहीं मिले हैं।

ये निशान जरूर जाली हैं। FAKE!! या फिर ये किसी और अज्ञात प्राणी के पैरों के निशान हैं।

अज्ञात!! गुड नेम। UNKNOWN MAN!! और वह प्राणी इंसान जैसा क्यों नही हो सकता, मिस्टर जॉन!

और वह उस युग के प्राणियों की तरह विशालकाय क्यों नहीं...ओ। एक्सक्यूज मी!

मैसेज आया है!! शायद जरूरी हो।

CONGRATULATIONS! NOW FOLLOW THE TRAIL OF WALKING FEET! A SHOCK AWAITS TO UNEARTHED!

बधाई! पैरों के निशान का पीछा करो! एक आश्चर्य प्रकट होने का इंतजार कर रहा है!!

ये मैसेज किसका हो सकता है?

अभी-अभी तो खुद हमको इस चीज का पता चला है!! और मैने किसी को इंन्फार्म नहीं किया है। आप लोगो में से किसी ने किया है?

नो मैडम!

अगर तू यहां से नहीं गया तो हमारी सिर्फ यादें ही बचेंगी। तूने मुझे बचाने के लिए जो प्रयास किया है उसके कारण तू नागराज और नागशक्ति की नजर में आ चुका है।
वे हमको ढूंढने के लिए निकल चुके होंगे। और मैं नहीं चाहता कि अभी तेरा और उनका सामना हो।
हम कई पीढ़ियों से अपनी शक्ति को तिल-तिल करके बढ़ाकर यहां तक लाए हैं! तेरी पीढ़ी हमारी शक्ति की संपूर्णता प्राप्त कर लेगी। और उसमें कुछ ही वर्षों का समय बचा है।
ये समझदारी दिखाने का वक्त है, बहादुरी दिखाने का नहीं।
यहां से कुछ भी ले जाने की जरूरत नहीं है। तुझे वैसा ही करना है जैसा मैंने समझाया है।
जल्दी कर। मैं ज्यादा देर तक यहां रुक नहीं पाऊंगा।

नफरत है मुझे उन लोगों से जिनके कारण मुझे खुद अपनी यादों को मिटाना पड़ा।।
एक न एक दिन मैं इसका जवाब जरूर दूंगा।
लेकिन उससे पहले तुझे पर्वत की गुफाओं की शरण लेनी होगी। ध्यान लगाना होगा और शक्ति को अपने शरीर में पुष्ट करना होगा।
अब मुझे जाना होगा। तू कंदरा की शरण में जा!
जब तक मुझे समुचित उत्तर नहीं मिल जाते।

तब तक तुमको कंदरा तो क्या चिता भी शरण नहीं दे सकती।
तू-तू जा! यहां से जा! मैं इसको रोकता हूं। तू जा!!
अविश्सवसनीया हम अपनी आंखो से देख रहे हैं, परंतु हमको विश्वास नहीं हो रहा है!
इतना लंबा सफर सिर्फ तुम्हारे जैसी शक्ति ही तय कर सकती है।
या तुम्हारे जैसा कालदूत। उम्मीद है कि हमारी दुश्मनी ये सफर तय नहीं कर पाई है।
ये निर्णय मैं उस बच्चे की जांच के पश्चात् ही करूंगा।
उस तक तुम कभी नहीं पहुंच पाओगे, कालदूत! क्योंकि अगर तुम्हारी ऐसी ईच्छा है।...
तो फिर तुम यहां से मेरे साथ ही जाओगे।
समझ गया। यानि तू मर गया पर हमारी दुश्मनी जिंदा है।
अभी कुछ पलों में तेरे और मेरे साथ हमारी दुश्मनी भी खत्म हो जाएगी।

अद्भुत शक्ति थी वह! कालदूत को टक्कर देने वाली शक्ति मामूली हो भी नहीं सकती थी।
तुम्हारे ईरादों की भनक तो मुझे वह नागिन दे ही चुकी है जिसने मुझे कैद करने की चेष्टा की थी।
ये नगीना की बात कर रहा है। पर मैं ये क्या कर रहा हूं। ये सिर्फ एक शक्ति है अशारीरिक शक्ति...
मुझे इसके पुत्र के पीछे जाना चाहिए। वहीं पर मेरी शंकाओं का समाधान हो सकेगा।
परंतु इसकी शक्ति मुझे उस तरफ जाने ही नहीं दे रही है।
इस पर शरीरिक शक्ति और अस्त्र-शस्त्र के वार असरकारक सिद्ध नहीं होंगे! जरूर नगीना ने भी तंत्र शक्ति की मदद से इस आत्मा को कैद किया होगा। वर्ना तो इससे जीत पाना असंभव है।
मेरा काम हो चुका है, कालदूत अब परमात्मा की शक्ति मुझे बुला रही है...और उसकी शक्ति के आगे...
कोई शक्ति काम नही करती! मैं चला।
ओफ्! अंतिम संस्कार के बाद आत्मा को ज्यादा देर तक रोक कर रख पाना संभव नहीं है।
और अब उस बालक को भी जांच पाना संभव नहीं लगता...

"क्योंकि वह हमारी दिव्य दृष्टि से भी नजर नहीं आ रहा है।"
"पर हम प्रयास को रोक नहीं सकते। वर्ना महाविनाश की आशंका बनी रहेगी।"
"सही कहा। इन पहाड़ियों में मौजूद सभी सर्पों को सतर्क कर दो। तलाश करो उस बालक को। तलाश तब तक जारी रहनी चाहिए..."

"जब तक वह मिल न जाए!"
तू अगर सचमुच खतरा है, कालदूत...

तो तुझे...

मरना ही होगा।

ये कैसा चमत्कार है? मैं ब्रह्मांड के दूसरे छोर तक के संकेतों को पकड़ सकता हूं पर उस बालक का कोई चिन्ह मुझे नहीं मिल रहा है।
कालदूत अपनी खोज में इतने मग्न थे-

कि उनको यह आभास ही नहीं था...
महात्मन्!...

मैं यही जानने के लिए यहां पर चला आया कि आपके यहां पर आने का कारण क्या है?
कारण वही है जिससे मैंने तुमको दूर रहने की सलाह दी थी!
और जिसके कारण मुझे अपने अंत का सामना करने का सफर बीच में छोड़कर यहां आना पड़ा।
बचिए! कहां ध्यान है आपका?
नागराज! तुम यहां!!
आज तो तुमने सचमुच मुझे घायल होने से बचा लिया!
ये जरूर उसी का काम होगा।
किसका महात्मन?
उसी का!...अ.. पर तुम एकाएक यहां पर कैसे?
यहां पर कुछ मेरे सर्प भी मौजूद हैं। उनको भी आपका मानसिक संकेत मिला था।

इस सिलसिले की शुरूआत आज से करोड़ों वर्ष पहले हुई थी!
हमारे जैसे सरीसृपों का विकास आज से लगभग 20 करोड़ वर्ष पहले उस काल में होना शुरू हुआ था जिसको मानव जुरासिक काल कहते हैं।
पर उस वक्त सिर्फ सरीसृप ही नहीं, और भी प्रजातियां पनप रही थीं और विकसित हो रही थीं। उनमें कई स्तनपायी भी शामिल थे। और उन स्तनपाइयों में सबसे तेज विकास हो रहा था...
आदम का!! आदम देखने, सुनने में आज के मानव जैसा ही था। शरीर का अनुपात वही था और वह दो पैरों पर चलता था!
कमाल है। यानि... मानव उस युग में भी थे। यह तथ्य तो अब तक अज्ञात है।
अज्ञात ही रहता तो अच्छा था। पर आदम, मानव के पूर्वज नहीं थे। एक मानव जैसी अलग प्रजाति थी। जैसे गुरिल्ला, बंदर नहीं होता या भेड़िया कुत्ता नहीं होता।
आदम युग की सबसे खूंखार प्रजाति थी। उनकी लंबाई लगभग पंद्रह फुट थी और उसी अनुपात में शरीर और शारिरिक शक्ति भी।
डायनासौर उनसे थर्राते थे।
पर क्यों?
क्योंकि वे मांसाहारी सरीसृपो को भी हाथों से चीरने की क्षमता रखते थे।
उस युग में भोजन का मुख्य आधार जगंली वनस्पति और मांस ही था और आदम दोनों का ही भक्षण करते थे।
पर आदम ही सिर्फ मानवों जैसी एक मात्र प्रजाति नहीं थी। वैसी और भी प्रजातियां विकसित हो रही थीं। जो दिखने में मानवों जैसी थीं और उनमें बुद्धिमता भी थी।
परंतु आदम ने तो जैसे स्वतंत्र विकास की कमर तोड़ने की कसम खा रखी थी।

आदमशक्ति का एक ही काम था। विनाश! अगर एक पेड़ के फल भी खाने हो तो वे ये काम पूरा वन उजाड़ने के बाद करते थे।
अगर एक सरीसृप का शिकार करना हो तो वे आनंद के लिए कुछ अन्य सरीसृपों को यूं ही मार गिराते थे।
उस पौराणिक काल में काई मानव रूपी सभ्यताएं भी हम नागों के साथ-साथ पनप रही थीं। आदम जैस खतरों से निपटने के लिए हमने और उन्होने कई अद्भुत तरह के शस्त्र भी विकसित किए थे।
पर आदम के पास एक अद्भुत शक्ति थी। किसी भी शक्ति को स्वीकार न करने की शक्ति!
किसी भी तंत्र-मंत्र या अस्त्र-शस्त्र का असर उन पर तब तक नहीं होता था जब तक वे स्वयं ये विश्वास न कर लें कि वह चीज उनको मार सकती है।
शुरूआती दौर में तो कई प्रजातियों को आदम को मारने में सफलता भी मिली। परंतु धीरे-धीरे वे समझ गए कि उन शक्तियों को मानना या न मानना उनके वश में है।
तब से पाँसा पलट गया।

आदम शक्ति ने विकास के चक्र की धुरियों को तोड़ना शुरू कर दिया। कई प्रजातियां उनके अकारण विनाश के कारण विलुप्त हो गईं और कई विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गईं!

नागशक्ति भी इस दमन चक्र से अछूती नहीं थी।

आदम शक्ति ने नागों की प्रगति को भी अवरूद्ध कर दिया था। एक समय तो यह लगने लगा था कि अपने अंदर ईच्छाधारी और अन्य कई चमत्कारी शक्तियों को विकसित करने के बावजूद भी नाग जाति मिट जाएगी।

और साथ ही साथ कई अन्य ऐसी प्रजातियां और भी!

यह निर्णय लेने का वक्त आ गया था कि आदम को एक घातक रोग मानकर महामारी की तरह जड़ से नष्ट कर दिया जाए। और इसमें सभी बुद्धिमान प्रजातियां एक जुट थीं।

निर्णय लेना तो आसान था, पर उसका कार्यान्वियन इतना आसान नहीं था।

क्योंकि एक तो आदम जाति किसी भी शक्ति को मानती नहीं थी, और दूसरे उनकी बस्तियां पृथ्वी के हर सुदूर कोने में फैली हुई थीं। चाहे वह गर्मी से तपता रेतीला ईलाका हो या सनातन बर्फ से ढका ध्रुवीय क्षेत्र!

अन्य प्रजातियों के हमलों ने आदम जाति को और भड़का दिया।

और उन्होने हमले और तेज कर दिए! कुछ लाख वर्षों तक तो ऐसा लगा मानो अन्य प्रजातियों ने अपनी ही विनाश गति को स्वयं ही गति दे दी हो।

पृथ्वी पर जीवन का स्वतंत्र विकास खतरे में था और ऐसी स्थिति में मुझे जगाया गया! उस वक्त तक मैं महात्मा कालदूत नहीं था।

बल्कि योद्धा कालदूत था। जो तपस्या के माध्यम से महात्मा कालदूत बनने की चेष्टा कर रहा था।
पूरी परिस्थिति समझने के पश्चात् मैंने अन्य प्रजातियों के नेतृत्व की बीड़ा उठा लिया। और एक भीषण युद्ध से पूरी पृथ्वी गूंज उठी।
वह महायुद्ध कई लाख वर्षों तक चला। और उसमें किसी हथियार का प्रयोग नहीं हुआ। क्योंकि आदम हथियारों का प्रयोग करते नहीं थे और हमारे हथियार उन पर बेकार थे।

हिमयुग की शुरुआत हो चुकी थी। पृथ्वी बर्फ से ढक रही थी। हमने अपने शरीरिक बलों को जोड़ जोड़ कर आदम जाति को विनाश के कगार पर ढकेलना शुरू कर दिया।
हमको सफलता भी मिली। आदम की सिर्फ एक ऐसी बस्ती को छोड़कर जो कई किलोमीटर गहरी बर्फ में दब गई थी, हमने पूरी आदम जाति का सफाया कर दिया!
आदम जाति अब विलुप्त हो चुकी थी। सिवाय एक बच्चे के।
बच्चा? उसका क्या हुआ?
हम जानते थे कि हमको किसी भी प्रजाति को विलुप्त करने का अधिकार नहीं है। इसीलिए हमने उस बालक के शरीर से आदम शक्ति को निष्क्रिय करके उसको जीवित छोड़ दिया।
उसके भाग्य के भरोसे।
पर इससे भी तो उनकी प्रजाति एक तरह से समाप्त ही हो गई! बगैर किसी जोड़े के तो उनकी प्रजाति बढ़ ही नहीं सकती थी।
नहीं, नागराज! आदम प्रजाति का एक रहस्यमय पहलू और भी था। उनमें पुरुष भी गर्भधारण की क्षमता रखते थे।
परिस्थितियां बताती हैं कि इतने वर्षों में उन्होने पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी शक्तियों को बढ़ाते हुए लगभग उसी स्तर को हासिल कर लिया है जिस स्तर पर वे पहले कभी थे।
यानि आपके अनुसार आदम शक्ति अभी तक जीवित है और हर जीवित प्राणी के लिए खतरा है।
हां!
परंतु ये भी तो हो सकता है कि इतने वर्षों में उनकी विनाशक प्रवृतियां खत्म हो गई हों।
और अब उनकी शक्ति का किसी अच्छे कार्य के लिए प्रयोग में लाया जा सके।
यह तो सिर्फ तभी पता चल सकता है जब हम या तो उस बालक तक पहुंचे, और या फिर...

"किसी दूसरे आदम तक! जो मिलना अब असंभव है।"
वाऊ!! ये...ये तो डारविन की थ्योरी को भी पलटकर रख देगा।
क्या ख्याल है? कितना पुराना होगा ये?
कंडीशन देखकर तो लगता है। जैसे कल ही जमीन में घुसकर लेटा हो।
पर मेरे ख्याल से ये दस हजार साल से ज्यादा पुराना है।
मैं फटाफट एयरटाईट रेफ्रीजरेटेड ग्लास बॉक्स मंगाता हूं। मानव इतिहास की सबसे बड़ी खोज इतना तो डिजर्व करती ही है...

"आखिर ये पूरी दुनिया की निगाहों का केन्द्र बिन्दु बनने वाला है।"
आपकी एजेंसी को इसकी सुरक्षा करनी है। इसको अंतर्राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जा चुका है।
वाऊ! ये...ये असली है!
एकदम असली। और कार्बन टेस्ट के अनुसार करोड़ों वर्ष पुराना है।
इतना पुराना जीवाश्म इतनी अच्छी हालत में कैसे हो सकता है?
हमने इसके बॉडी सेल्स को चेक किया है। इनके अंदर प्लास्टिक जैसे कार्बन कंपाऊंड्स की श्रृंखला है जो आसानी से गलते नहीं हैं।
करोड़ों साल पुराना इंसान जैसा विशालकाय प्राणी ये जरूर आदम ही होगा। क्या संयोग है!!
चक्कर खा गए न मिस्टर शाह? इसको देखकर मेरी जबान भी तालू से चिपक गई थी।
मिस्टर शाह, आपकी एजेंसी की सिक्योरिटी रेटिंग दुनिया में पांचवे नंबर पर है और हिंदुस्तान में पहले नंबर पर!
नहीं मैडम! दरअसल मैं इसकी सुरक्षा के बारे में सोच रहा था। हमारी एंजेसी इतनी काबिल नहीं है। हम आप से क्षमा चाहते हैं।
ये प्रधानमंत्री का आदेश भी है और रिक्वेस्ट भी। इसकी सिक्योरिटी का जिम्मा आपको लेना ही पड़ेगा।

ठीक है।
प्रधान मंत्री के आदेश का सम्मान तो करना ही होगा।
वैसे मना करने का कोई ठोस कारण भी नहीं है। एक अवशेष की सुरक्षा करने से भला क्यों कतराना।
"अब ऐसा तो नहीं..."
"...कि करोड़ों वर्षों के बाद..."
"...आदम जिंदा हो उठेगा।"

घबराएं मत। हम ऐसी स्थिति के लिए तैयार होकर आए हैं। इसके साइज को देखते हुए हम हाथी को बांधने वाली चेन साथ लेकर आए थे।
पर...पर ये जिंदा कैसे हो सकता है। ये तो बर्फ में भी नहीं दबा था कि सुषुप्तावस्था में जाकर बाहर आ गया हो।
ये सोचना आप का काम है। हमारा काम तो सिर्फ इसको खतरे से सुरक्षित रखना है।
लगता है हम इस स्थिति को संभाल नहीं पाएंगे। नागराज को नाग संकेत भेजना ही होगा।

इस को मेडिकेटेड डॉर्ट बेहोश नहीं कर पाएगी। इसके लिए तो दवा के ड्रम में सुई फिट करके दागना होगा।

कहें तो इसके पैर में गोली दागूं। वर्ना यह इस पूरी बिल्डिंग को मलबा बना देगा।

नहीं। इस सैम्पल को जरा सा भी नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। इसको मारने का नही काबू में करने का प्रयास करो।

MUSEUM SECURITY

यह बेहोश नहीं हो रहा। असली गोली वाली गन यूज करूं?
यूज एट हिम!
वर्ना ये न जाने कितनी बेशकीमती धरोहरों को नष्ट कर देगा। और कारण बनूंगी मैं।
...पर निशाना सिर्फ इसके पैरों को बनाना! मैं इसको भी नुकसान पहुंचाना नहीं चाहती।
डोंट वरी मैम! ऐसा ही होगा
बड़ाम
मेरी गोली...
"इसकी काफ मसल्स को निशाना बनाएगी।"
"इसने तो गोली को नोटिस तक नहीं किया।"
"तोड़-फोड़ भी जारी है। और गोलियां चलाओ।"

सॉरी मैडम!
बड़ाम
धड़ाड़.
हमने चाहे इसको नुक्सान न पहुंचने देने का कांट्रैक्ट आपसे ही लिया है, पर फिर भी हम आपको ही इसको नुक्सान पहुंचाने नही दे सकते।
पर...उस वक्त तो इसकी ममी को सुरक्षा देने की बात थी। पर...इसके जिंदा होने से तो समीकरण ही बदल गया है।
आप चिंता न करें। इसको फिर से ममी बनाना हमारा काम है। आप लोग जितनी जल्दी हो ये जगह खाली कर दें।
सुनो, दोस्तों। यहां पर हम इसको काबू में नहीं कर सकते। हमारा भेद भी खुल सकता है।
इसको छत की तरफ ले चलो।
स्नेक आई गार्ड्स का हमला शुरू हो गया।
हर वार में पत्थर को पानी बना सकने लायक ऊर्जा थी।

पर ये वार आदम का क्रोध बढ़ाने के अलावा और कुछ नहीं कर पा रहे थे।
मकसद कामयाब होता दिख रहा था।
दुश्मन को रण के मैदान तक लाने में सर्प गार्ड कामयाब हो गए थे।
हर सर्प के पास अद्भुत शक्तियां मौजूद थीं।
और छत पर, इंसानी नजरों से दूर होने के कारण वे इनका प्रयोग खुल कर कर सकते थे।
आऽऽऽह! इस पर तो कुछ असर होता नहीं दिख रहा।
इस पर गोलियों का असर भी नहीं हुआ था। पर ये मेरी तंत्र शक्ति से बच नहीं पाएगा।

सौडांगी की तंत्र शक्ति में उड़ते ड्रैगन तक को बांध सकने की ताकत थी।
पर आदम वह शक्ति थी जो ड्रैगन तक को हजम कर सकती थी।
आऽऽहा ये तो हमसे बॉल की तरह खेल रहा है।
अभी इस का खेल खत्म करता हूं।
अब ये फिर सो जाएगा। अगले तीन-चार हजार सालों तक।
बर्र्र्र्र्र आऽऽऽह!
ऐसा लगता है जैसे तुम इसे जानते हो।
हां। अभी-अभी याद आया। बचपन में हम इसकी कहानियां सुनते थे।
बचपन में। यानी पांच सौ साल पहले?
सांपो से उम्र नहीं पूछते। ये आदम है। और इसको रोकने का सिर्फ यही एक तरीका है। प्राकृतिक तरीका!

ये आजाद हो गया!! असंभव!
ये तो जैसे हमारी शक्तियों पर ध्यान ही नहीं दे रहा है।
यही इसकी शक्ति है।
मतलब?
मतलब ये किसी शक्ति को नहीं मानते! इसको रोक पाना हमारे बस की बात नहीं लगती।
नागराज कहां है?
पता नहीं! वह महात्मा कालदूत को ढूंढने गया था! ...शायद उसे इस आने वाली मुसीबत का आभास हो गया था!
"हम अभी भी इसको रोकने की कोशिश तो करेंगे जरूर, पर कामयाब होने की संभावनाएं शून्य हैं।"
"पर अगर हम भी इसको नहीं रोक पाए तो इसको रोकेगा कौन?"
अरे! ये तो आदम को नुकसान पहुंचा रहे हैं।
अब हमको पहले इनसे निपटना पड़ेगा।
रहने दो! उसकी जरूरत नहीं है।
हमको सिर्फ आदम को ही रोकना है।

"क्योंकि इनको तो आदम खुद ही रोक लेगा।"
इसको रोकने का काम हमसे तो होगा नहीं।
और नागराज यहां पर है नहीं। फिर ये काम करेगा कौन?
बस! रुक जा।
वाऊ!
हो गई समस्या दूर!

"सही समय पर पधारे हैं महात्मा कालदूत!"
बस! तेरी सीमा यहीं समाप्त होती है।
अब या तो तू स्वयं मेरी शक्तियों को मान ले, वर्ना एक दर्दनाक अंत के लिए तैयार हो जा।
ये महात्मा कालदूत का इस मामले से क्या संबंध है?
पता नहीं। मैं नागद्वीपवासी तो हूं नहीं। पर नागराज को ये बात जरूर पता है। जब वह वापस आएगा तो इस बात का भी पता चल जाएगा।
नाग रूप को समेट लो, शीतनाग! अभी इसकी जरूरत नहीं लगती।
हां! आराम से बैठकर तमाशा देखा जाए। पर एक बात तो बताओ...
"फिलहाल तो ये देखना है कि महात्मा कालदूत इसको काबू में करते कैसे हैं?"

"या आदम कालदूत को कैसे काबू में करता है?"
तो तू मुकाबला करेगा। लगता है लाखों वर्षो की नींद ने तेरी याददाश्त को कमजोर कर दिया है। वर्ना तुझे ये याद रहता...
कि तेरी समूल जाति को नष्ट करने वाले यौद्धा का नाम...
...कालदूत था!
ये क्या? कालदूत तो इसको मार डालने की कोशिश कर रहे हैं। हमें उनको रोकना होगा।
सही कहा, शीतनागा। इसकी सुरक्षा का भार हमने लिया है। अगर कालदूत को नहीं रोका तो जवाब हमको...
अरे। तो यहा पर दुबके हो तुम दोनों...
हमारे स्पेसीमेन को वह बुढ्ढा नुक्सान पहुंचा रहा है और तुम दोनों देख रहे हो।
आप अंदर जाकर नए ग्लास बॉक्स का इंतजाम करिए। हम इसको लेकर आते हैं।
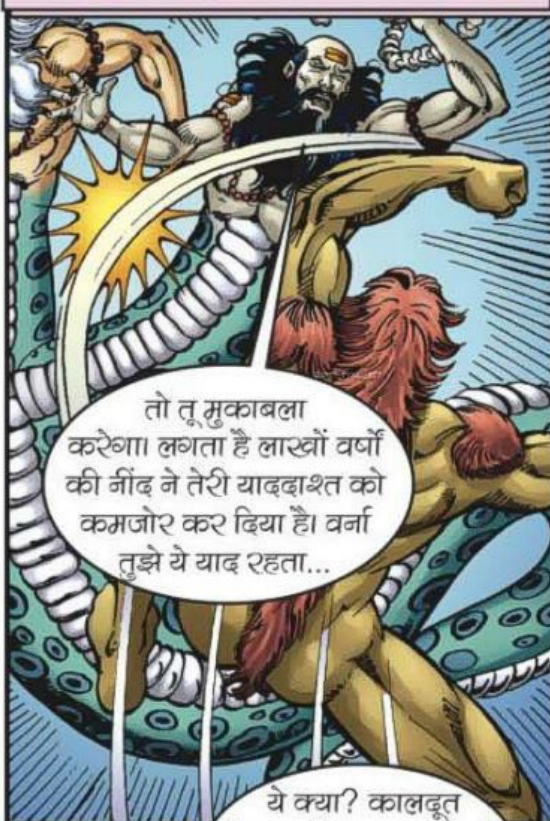
बस, बस! गुस्सा मत करो। लड़ाई-लड़ाई माफ करो...
तुझे गुस्सा आ रहा है? शीतू, इसे गुस्सा आ रहा है।
इसे ठंडा करो।
शीत लहरों ने आदम के शरीर के हर द्रव कण को पलभर में जमा दिया।
शाबास! अच्छी चाल थी।

पर ये वार इसको ज्यादा देर तक रोक नहीं पाएगा। तुम्हारा वार अप्रत्याशित होने के कारण इसको तुम्हारे वार को मानने या न मानने का अवसर ही नहीं मिला!
मैं इस स्थिति में इस पर वार तो करना नहीं चाहता, परंतु अगर अभी तुरंत इसका अंत न किया गया तो ये इस विशाल मानव बस्ती को एक दिन के अंदर खंडहरों में बदल देगा।
महात्मन! हमने इसको काबू में कर लिया है और अब ये और विनाश फैलाने की स्थिति में नहीं है।
हम आपसे इसको जीवनदान देने की प्रार्थना करते हैं। क्योंकि इसकी सुरक्षा का भार हमने अपने ऊपर लिया हुआ है।
ये...ये क्या? लगता है कि हमने स्नेक आई एजेंसी को चुनकर भूल की है।।।
तुम लोग तो उसी बूढ़े से मिले हुए हो जो मानव इतिहास की
एक बहुमूल्य धरोहर को कसाईयों की तरह काटने पर उतारू है।
इनका नाम महात्मा कालदूत है। आप जरा शांत रहें और हमें बात करने दें।
और मेरी सलाह है कि आप अपनी सुरक्षा पर भी ध्यान दें और यहां से जाएं।
अ..अभी मैं जाती हूं। पर ध्यान रखना अगर मेरा स्पेसिमेन डैमेज हुआ तो मैं तुम्हारी रेपुटेशन को भी डैमेज कर दूंगी।

मेरे पास वाद-विवाद का समय नहीं है। मेरे रास्ते से हट जाओ वर्ना मैं तुमको इस दुनिया से...

विदा कर दूंगा!

तुम जानते नहीं हो कि तुम किस खतरे को बचा रहे हो!

हम सिर्फ अपना काम कर रहे हैं। अंतिम निर्णय नागराज का होगा। आह!

अंतिम निर्णय मेरा होगा, सर्पो।

अब आदम को चिरनिद्रा सुलाने का क्षण आ गया है।

आSSSSS!!

बस। पलभर में तू वहीं पहुंच जाएगा जहां पर तुझे होना चाहिए था।

जमीन के एक योजन नीचे! ये क्या?
ये सांप!!! ये सर्प तो...
...नागराज के सर्प हैं। यानि
ओह! तुम आ चुके हो नागराज। और इन दोनो को एंव आदम को बचा कर अपने प्रतिरोध का प्रमाण भी दे चुके हो।
आश्चर्य तो यह है कि तुम सच्चाई जानते हुए भी ऐसा कर रहे हो।
क्षमा करें, महात्मन! आपका अनादर करने का मेरा कोई ईरादा नहीं था। मैं तो आपको ढूंढने ही गया था ताकि आदम का समाचार आपको दे सकूं।
परंतु मुझे इसके जीवित हो उठने का आभास नहीं था। लेकिन इसके बावजूद भी ये अकेला है और किसी के लिए कोई खतरा नहीं बन सकता है।
आप कृपया इसकी चिंता छोड़ दें और निश्चिंत होकर जाएं।
बस! हमारी एक ही बात बार-बार दुहराने की न आदत है न समय!
हम आदम के संभलने का इंतजार नही कर सकते।
इसीलिए तुम मानवों की भलाई के लिए...

हमको पहले तुमको रास्ते से दूर करना होगा।
क्षमा करें, महात्मन्! पर ये नागराज भी अपने कर्तव्य के रास्ते से...
...डिगने वालों में से नही है। फिर चाहे प्रतिद्वंदी कोई भी हो।
तेरे अंदर देवकालजयी की फुंकार है, ये मैं जानता हूं...
पर तू ये नहीं जानता कि कालजयी का विष मुझपर... ओह! ये कैसा विष है जो मुझ पर भी प्रभाव डाल रहा है।
नागराज को ये नई शक्तियां विज्ञान ने दी हैं। विष तो देवकालजयी का ही है, पर विज्ञान ने उसको और तीव्र एवं असरकारक बना दिया है।
और ये सिर्फ शुरुआत है! अब मैं सिर्फ ईच्छाधारी शक्ति को जाग्रत ही नहीं कर सकता हूं...
बल्कि ईच्छाधारी शक्ति को नष्ट करने वाली प्रतिकारी ईच्छाधारी शक्ति भी पैदा कर सकता हूं।
हमारे शरीर का अंग बने अस्त्र, शरीर से अलग हो रहे हैं। शाबास, नागराज तू सचमुच एक योग्य प्रतिद्वंदी बन रहा है...
पर विजयी प्रतिद्वंदी बनने के लिए तुझे अपनी जान को दांव पर लगाना होगा...

क्योंकि अब तेरा सामना महात्मा कालदूत से नहीं, महायोद्धा कालदूत से होने जा रहा है।
आऽऽऽह!
हम मानव इससे अपनी उत्तपति के इतिहास के बारे में कितना कुछ जान सकते हैं।
सच पूछो तो मुझे ये तीन बॉडी वाला सांप ज्यादा खतरनाक लग रहा है...
नागराज!
थैंक गॉड कि तुम आ गए, नागराज। अब सिर्फ तुम ही मानवों की इस अभूतपूर्व धरोहर की रक्षा कर सकते हो।

"क्योंकि ये मामूली सी तोड़फोड़ के कारण इस संरक्षित अवशेष को मार डालने पर उतारू है।"
"ऐसा कुछ नहीं होगा। क्योंकि मैं ऐसा होने नहीं दूंगा... फिलहाल आप यहां से जाएं।"
रुक जाइए, महात्मन्! मेरे पास इसको रोकने के कई तरीके हैं।
तुम इसको नहीं रोक सकते, नागराज! इसको रोकने का एक ही तरीका है। इसकी सांसो को रोक देना।
आप इसकी सांसों को ही नहीं रोक रहे हैं, महात्मन्!...
बल्कि इसके शरीर को भी खंडित कर रहे हैं।
आऽऽऽह! इसे रोकने का यही एक तरीका है, नागराज!!!
वर्ना इसको रोक पाना असंभव है। थोडी देर शांत रहोगे तो ये तुम स्वंय देख लोगे।
और याद रखो कि अगर मैंने युगों पहले यही न किया होता तो आज तुम मुझसे ये सवाल न पूछ रहे होते!

उस वक्त नागराज नहीं था...
...पर आज है।
आप पर मैं घातक वार नहीं कर सकता महात्मन्।
परंतु आपका आदम पर हुआ हर वार पहले नागराज पर पहुंचेगा।
ये क्या मूर्खता है, नागराज? खैर अगर यही रास्ता तुमने चुना है...
तो फिर इस मार्ग को मृत्यु तक का मार्ग बनने से कोई रोक नहीं सकता।
अब तुम्हारी मृत्यु का मार्ग ही...
...आदम की मृत्यु का मार्ग भी बनेगा!...

कालदूत की सारी शक्तियां, नागराज जैसे महाप्रतिद्वंदी से जूझने में व्यस्त थीं।
और इस कारण से उनका ध्यान अपनी सुरक्षा पर से हट गया था।
घातक गलती कर गए थे योद्धा कालदूत।
और यही गलती सिर्फ उनके अस्तित्व पर ही नहीं, बल्कि पृथ्वी के सभी जीवों के अस्तित्व पर भारी पड़ने वाली थी।
ओफ्! ये आपको क्या हो गया, महात्मन्?
अगर हम...आह... इसकी शक्ति की काट जानते हैं तो ये भी हमारी काट जानता है। आऽऽऽह! इसने त्रिसंध पर वार करके हमारी कुंडलिनी को तोड़ दिया है।
हमको इससे उभरने में वक्त लगेगा।
तुम जो चाहते थे वह हो गया। अब आदम को वश में करने की जिम्मेदारी तुम पर ही है।
उसमें ज्यादा वक्त नहीं लगना चाहिए। जिस फुंकार से महात्मा कालदूत भी विचलित हो उठे थे। वह फुंकार इसको पल भर में...
फूऊऊऊऽऽऽ

...जमीन पर ला पटकेगी। आऽऽहा ये क्या?
इस पर तो फुंकार का लेशमात्र भी असर नहीं हुआ।
वो बूढ़ा तो गया। अब नागराज इसको ओह! कोई मैसेज आया है।
ओ...माई...गॉड!!
एक नई मुसीबत आ गई थी।
जबकि पुरानी समस्या अभी तक टली नहीं थी।
स्नेक आईज ने इसका जीवाश्म के रूप में सुरक्षा करने का जिम्मा लिया है। अब इसको जीवाश्म में ही बदलकर अपनी जगह पर वापस पहुंचाना होगा।
शीशे के बक्से के अंदर!
नागराज अब वे बातें सीख रहा था-
जो कालदूत ने कई युग पहले चोट खा-खाकर सीखी थीं।
अरे! ये तो अपने ऊपर होने वाले वारों पर ध्यान तक नहीं दे रहा है।
अब भला इसे कैसे काबू में करूं?
कुछ तो...अरे। फिलहाल तो मुझे अपने आप को काबू में करने की आवश्यकता है।
क्योंकि मेरी शक्तियां एकाएक क्षीण हो रही हैं। ऐसा दूसरी बार हो रहा है। पहली बार ऐसा तब हुआ था जब मैं प्राचीन नगरी में अन्य आयामों के नागराजों से भिड़ रहा था।

वैसे अच्छा ही है। नागरस्सी का इस्तेमाल करने की प्रैक्टिस भी रहनी चाहिए।
महात्मा कालदूत के अनुसार अगर इसको काबू में रखने का एकमात्र तरीका शारीरिक शक्ति है। तो फिर यही सही। मुझे अपने शरीर में शक्तियों का संचार पुनः होता महसूस हो रहा है। अब मुझे अपने वार का असर बढ़ाना होगा।
पर...आदम पर इसका असर अनुमान से काफी कम नजर आ रहा है।
और ...मेरे शरीर का धातुई संयोजन अपने आप गायब हो रहा है।
फिर से शक्ति लुप्त हो रही है।
कड़
कड़ाक
आऽऽऽऽह! पर कैसे?
इसे रोकना ही होगा।

मेरी शक्तियां आखिर....
... क्यों लोप हो रही हैं?
ये आदम के कारण है नागराज। मैंने ये नई बात महसूस की है। आदम ने नई शक्तियां विकसित कर ली हैं। अब वह न सिर्फ प्रतिद्वंदी की शक्तियों को मानने से इंकार कर सकता है...
बल्कि एक अजीब किस्म का शक्ति-क्षेत्र फैलाकर अपने प्रतिद्वंदी को उस शक्ति को पैदा करने या प्रयोग करने से रोक भी सकता है।
मैंने भी यह शक्ति-क्षेत्र देखा था। अब तो मैं इसके खिलाफ शीत तरंगें पैदा भी नहीं कर पा रहा हूं।
ये तो चिंताजनक है। अब वार करने का तरीका बदलना पड़ेगा। अपने जासूस सर्पों से जानकारी जुटानी होगी।
मिल गया रास्ता। अब ऐसा वार होगा जो न तो हथियार से होगा और न ही हमारी शक्तियों पर आधारित होगा।
पता नहीं क्या है वह वार, नागराज। पर इतना अवश्य पता है कि वह वह वार कर पाने के लिए हम शायद...

"जीवित ही नहीं रहेंगे।"
अवश्य रहेंगे, शीतनाग!
क्योंकि मेरे जासूस सर्प पास में बन रही क्रंक्रीट रोड से जिस मिक्सचर का चलाकर लाए हैं, इसमें क्विक ड्राईंग कंक्रीट मिक्स भरा है। जोकि तुरंत ठोस होना शुरू हो जाता है।
इस वार का जवाब आदम के पास भी नहीं होगा। मेरे ख्याल से हम ये लड़ाई...
...जीत चुके हैं?... अब क्याSSS?
आSSSSऊ!
आर्र्र्र्रध
अरे। ये तो... वही लड़का है।
वही कौन?
नागराज! नागराज!

यानि...महात्मा कालदूत का कहना सच था। यह बालक ही इस मुसीबत की जड़ है।
पर...पर...ये कर क्या रहा है।
ये तो आदम शक्ति को खींच कर आदम को नष्ट कर रहा है।
"ओफ्! जिस हादसे को रोकने के लिए मैं महात्मा तक से भिड़ गया, वह आखिर होकर ही रहा।"
नागराज! ये देखो!!
एक मिनट, तनवी!
कौन हो तुम? और ये तुमने कैसे...?

मत छुओ मुझे! तुम सब कातिल हो। हत्यारे हो तुम सारे नाग!
आदम जाति के हत्यारे! हमारी प्रजाति के संहारक!!

तुम...तुम खुद एक आदम हो?
हां, हूं! पर मैं आदम का विकसित रूप हूं! हजारों वर्षों के विकास का परिणाम। जबकि ये आदम प्रागैतिहासिक था।
पर हम तो इसको सिर्फ काबू में करने का प्रयास कर रहे थे। इसके हत्यारे हम नहीं...

...तुम हो।
मैं...मैं क्या करता? इस पर होने वाला हर वार मुझ पर असर डाल रहा था।
इसका दम घुटा तो मेरी भी सांस रुकने लगी!

मैं तो बस इसकी शक्ति लेने का प्रयास कर रहा था।
मुझे पता नही था कि ये ऐसे...टूट-फूट जाएगा।
हम्म! यानि तुम इस आदम से बायोलोजिकली जुड़े हुए थे। शायद इसके वंशज होने के कारण! पर खैर चलो। अंत भला तो सब भला!
अंत नहीं नागराज..
GO TO COOR
176'N YOU'
WHOLE VIL
AADAMS
...ये शुरुआत है! एक आदम गया तो क्या हुआ?
हमारे हाथ तो इनकी खान लग गई है।

"वहीं रहस्यमय मैसेज फिर से आया है कि अंटार्कटिका से हजारों किलोमीटर दूर अरब सागर में तैर रहे हिमखंड को देखो। हिमखंड की स्थिति भी बताई गई है।"
मुझे गड़बड़ी का आभास हो रहा है। अगर वह लड़का भी हमारे साथ आता तो ज्यादा अच्छा होता।
उसमें आदम जैसी मुसीबत से निपटने की अद्भुत क्षमता है।
वह खुद एक आदम जो है।
और यहां पर भी जो भी मुसीबत होगी। वह पक्का आदम जैसी चीज से ही संबंधित होगी।
SNAKE EYES
वह लड़का... आदम था? पर वह तो नार्मल इंसान था। छोटा सा बच्चा। वैसे भी तुम मामूली गाईस आर्कियोलॉजी को क्या समझोगे।
वह एक छोटा सा, बच्चा था जो तुम लोगो से डरकर वहां से भाग खड़ा हुआ।
खैर छोड़ो। यहां पर हिमखंड तो है। पर आदम बस्ती नहीं। शायद वह मैसेज झूठा था।
नहीं, तनवी। हमको ये टूटा हुआ हिमखंड एकदम सही लोकेशन पर ही मिला है। अगर ये सही है...

"तो फिर आगे का मैसेज भी सही होना चाहिए कि..."
"यहां पर आदमों की पूरी बस्ती दफन है।"
ओ मॉई गॉड! यहां तो... दर्जनों आदम दफन हैं।
ये...ये क्या हो रहा है?
हिम खंड टूट रहा है...कई टुकड़ों में..
और हर टुकड़ा एक नई दिशा में बढ़ रहा है। आखिर ये हो क्या रहा है?

ये जरूर आदमों की वही बस्ती है जो हिमखण्ड में दबकर विनाश से बच गई थी।
और अब ये अपनी शक्तियों को फिर से जाग्रत करके...
"एक नए अभियान की तैयारी कर रहे हैं। और ये अभियान है दुनिया को आतंकित करने का अभियान।"

टार्गेट लॉक्ड एंड डेस्ट्रायड! ओवर चार्ली।

ओ नो! वह अभी भी खड़ा है!

और वह हम पर कुछ फेंक रहा है। एक बोट!

बट...बट! दैट्स इंपासिबल। कोई किसी चीज को इतनी स्पीड से नहीं फेंक...आऽऽऽह!

दुनिया के अन्य क्षेत्रों में भी कमोबेश ऐसा ही कुछ दृश्य था!

व्हाट्स दैट थिंग? ये तो तोप के गोले तक पर ध्यान नहीं दे रहा है।

ऐसे ही प्राणियों को जापान, मिस्र, स्वीडन, ब्राजील में भी विनाश फैलाते देखा गया है। इन पर किसी भी वार का कोई असर तक नहीं हो रहा है। सभी एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि क्या ये प्राणी स्पेस से आए हैं?

JAPAN

इनको रोकना होगा। किसी भी कीमत पर।

इनमें से कई देशों में हमारी एजेंसी के गाईस मौजूद हैं, नागराजा हम उनको इस्तेमाल कर सकते हैं।

अगर आप ऐसा कर सकती हैं मिस डांगी, तो जरूर कीजिए। हमको सोचने के लिए समय चाहिए।
तुम्हारे मोबाइल पर कोई वह रहस्यमय मैसेज भेज कर इनकी स्थितियों को बता रहा था। यानि कोई है जो इस पूरे षडयंत्र के पीछे है। कौन है वह? कहां से आ रहे थे वे मैसेज?
SENDER UNKNOWN LOCATION UNKNOWN
बता पाना मुश्किल है। ये मैसेज इंटरनेट के सिक्योर्ड गेट-वे से भेजे गए थे। पता करने में समय लगेगा।
और वही हमारे पास नहीं है।
नागराज।
एक आदम मुम्बई की तरफ बढ़ता भी देखा गया है।
तुम लोग पीछे आओ! मैं आगे जाता हूं।
संभल कर नागराज। सुना है कि आदम तुम्हारी कई शक्तियों को निष्क्रिय कर देता है।
ध्यान दिलाने के लिए धन्यवाद!
अब जरा जल्दी बोट चलाओ। कम से कम एक काम तो ठीक से कर लो।

ये...ये क्या चीज हैं?
ये किसी व्हेल का पुत्र है क्या? हनुमान जी के मत्स्य पुत्र की तरह!
जल्दी भागो! जान बचा लो फिर पुराण पढ़ना!
NO ARGUMENTS! SHOOT TO KILL! 26/11 के आतंकी हमले के बाद हमको मिले निर्देश एकदम सपष्ट हैं। कोई रिस्क नहीं लेना है।
ये...ये क्या? इतनी स्पीड! दिस इज अनबिलीवेबल!!
बचने के लिए कोई स्पष्ट निर्देश हैं या नहीं सर! क्या हम तैर कर बच सकते हैं?
ओ शट अप!
दुनिया धीरे-धीरे समझ रही थी कि आदम को रोक पाना उनके वश के बाहर की बात है!
पर न जाने क्यों...
ये बात नागराज को समझ में नहीं आ रही थी।

ओफ्! ये तो सचमुच कोई शक्ति नहीं मानता।

इस वक्त महात्मा कालदूत की सख्त आवश्यकता है। और वे मेरे ही कारण इस युद्ध से बाहर हो गए हैं।

अब मदद आएगी भी तो कहां से?

मदद आ चुकी है नागराज।

भारती। तुम... तुम जाओ यहां से!!

नहीं नागराज जब दुनिया का अस्तित्व ही खतरे में है तो अपना भेद बनाए रखने का क्या फायदा...

...वैसे भी मैं ऐसे तंत्र वार करूँगी जो किसी को दिखाई नहीं देंगे!

एक्सक्यूज मी! आप...सजीव प्रसारण चालू रखो...
सुनो, मानवों! तुम आज यहां पर इसीलिए हो क्योंकि हमारे साथ सदियों पहले एक महा अन्याय हुआ था। और उस भेदभाव के कारण हम नष्ट हो गए और तुम विकसित हो गए।
पर अब तुम्हारा ये कर्ज चुकाने का समय आ गया है।

LIVE
या तो आदम की सत्ता स्वीकार कर लो और अपना जीवन बचा लो!! वर्ना इतिहास अपने आपको एक बार फिर दोहराएगा!

हम मानवों की प्रजाति का विनाश कर देंगे। और इस बार नागशक्ति भी तुमको बचा नहीं पाएगी।
ये तो बोल भी सकता है और सोच भी सकता है। और ये माइक्रोफोन का प्रयोग भी जानता है। हम्मम्।

ये सदियों बाद जगते ही इन चीजों का प्रयोग करना तो दूर इनको समझ भी नही सकते।
स्पष्ट है कि इनके दिमाग में ये चीजें भरी जा रही हैं।

ये...ये क्या?
इसने मेरी शक्तियों को उभरने से ना सिर्फ रोक दिया बलिक...
...उनको अपने अंदर ट्रांसफर भी कर लिया है।
इसकी शक्तिया तो म्यूटेट हो रही हैं। आऽऽऽ!!!
आऽऽऽ
नागराज।
आऽऽऽ...
नागराज के साथ ही अन्य आशाएं भी समाप्त हो गईं थीं।
हमने नयूक्लियर हथियारों के अलावा और सब कुछ ट्राई कर लिया है।
और मुझे पूरा यकीन है कि अगर हम उनका प्रयोग भी करेंगे तो भी बुरा असर हम पर ही होगा, उस पर नहीं।
हमें सोचने के लिए समय चाहिए। फिलहाल हम आदम की बात मान लेते हैं, ताकि ये विनाश थमे और हमें स्थिति सुदृढ करने का समय मिल सके।
हम सहमत हैं! अगर हमने जल्दी ही कोई निर्णय नही लिया तो हमारी धरोहर और हमारी प्रगति को खंडहर बनते देर नहीं लगेगी।

इसीलिए सारे देशों के राष्ट्र अध्यक्षों ने यह निर्णय लिया है कि विश्व की सत्ता आदम ग्रुप के हाथों में सौंप दी जाए।
अब से विश्व की हर संपदा का संचालन इनके आदेश पर ही होगा।
यानि अब विश्व पर आदम का राज होगा!
और आदम पर राज करेंगे..
...हम!
पर...हमने आदम को मनवाने में थोड़ी जल्दीबाजी तो नहीं कर दी?
उस पर पड़ने वाला हर वार ये लड़का महसूस कर रहा था। बस मिनटों के अंदर इसका दम निकल जाना था।
और अभी हमें इसे मारना नहीं है। वह इसी की त्वचा तो थी जिसकी रैपिड क्लोनिंग करके तुमने इतने आदम बना डाले।
यह सीधा जैविक-संबंध इसको वही महसूस करा रहा था जो सभी आदम झेल रहे थे। यह हमने टेस्टिंग आदम के विषय में पहली ही देख लिया है।
मजबूरी तो ठीक है पर इसे जिंदा छोड़ना खतरे से खाली नहीं है।

तुमको क्या पता कि जब ये टेस्टिंग आदम को
DEGENERATE करके भाग रहा था तो मैंने इसको कितनी मुश्किल से मेग्नेटिक वैक्यूम शील्ड में कैद किया था।
इसको अभी जिंदा रहना होगा, किलर। मानवों का कोई भरोसा नहीं है। बड़ी आसानी से मान गए हैं। कहीं उन्होने आदमों को नष्ट करने का कोई तरीका ढूंढ लिया तो यह नए आदम बनाने में फिर काम आएगा।
इतनी मुश्किल से तो सदियों के बाद दुनिया पर राज करने की एक त्रुटिहीन योजना हाथ लगी है।
जब इसकी त्वचा मेरे हाथ लगी तभी से शैतानी योजना मेरे दिमाग में बननी आरंभ हो गई थी। तुम्हारी मदद से मैं इसके प्राचीन स्वरूप के प्रतिरूप तो बना सकती थी और आदमों की विलुप्त बस्ती की कहानी का फायदा भी उठा सकती थी। पर पहले कालदूत और नागराज को रास्ते से हटाना जरूरी था।
पर तूने जबरदस्ती नागराज को बीच में घुसाया ही क्यों? आ बैल मुझे मार!
अरे पगली, यहां बैल तो कालदूत था। आदम आता तो उसको आना ही था। और फिर उसको रास्ते से इस ब्रह्मांड में सिर्फ एक प्राणी हटा सकता था। नागराज!
देखा मेरे समय पर भेजे गए SMS का कमाल। कैसे आ गया नागराज तुम्हारे चक्कर में...
बस, मैंने दोनों को भिड़वा दिया और कालदूत इस लड़ाई से बाहर हो गया। नागराज को तो बाहर होना ही था। क्योंकि आदम के सामने उसकी कोई शक्ति काम नहीं करती।
वैसे भी तुमने म्यूटेशन के द्वारा आदमों की शक्तियों को बढ़ा लिया था। अब तो उनके पास सामने वाले की शक्तियों को ले सकने की क्षमता भी है।
और इस काम के लिए तनवी का पैदा होना जरूरी था। पुरातत्ववेत्ता तनवी की मदद तो नागराज को करनी ही थी। और यह जानने में कोई समस्या नहीं हुई कि नागराज को स्नेक आईज एजेंसी के माध्यम से फटाफट बुलाया जा सकता है।
और कैसे चक्कर खाता हुआ इस दुनिया से बाहर हो गया।
अब तो बस उस बूढ़े कालदूत का पता मिल जाए तो...
...तो इस असहाय अवस्था में उसको मारना और आसान हो जाए!
जैसे आदम ने नागराज को मारा था।
तुम...तुम दोनो यहां तक कैसे आ गए?
स्नेक आई के गार्ड्स नागराज के ही नहीं हमारे भी मित्र हैं।

तुम्हारे गार्ड मित्रों ने यह नहीं बताया कि नागराज का क्या हाल हुआ था?
हमें तो बताया था पर शायद तुमको नहीं बताया!
क्या नहीं बताया?
कुछ नहीं।
कुछ नहीं।
हां! यानि...
नागराज को 'कुछ नहीं' हुआ?
ये...ये धोखा है पर तुम मरे नहीं थे तो मरने का नाटक क्यों किया?
तुमको बिल से बाहर निकालने के लिए! और ये तभी हो सकता था जब तुमको सुरक्षित होने का एहसास होता।
यह शक तो मुझे तभी हो गया था कि इन आदमों के पीछे किसी वर्तमान युग के प्राणी का हाथ है। जब मैंने देखा कि वह इस युग की चीजों को समझ भी रहा था और उन का प्रयोग भी कर रहा था।
बस यह पता करना था कि वह प्राणी कौन है, और यह मैं जानता था कि ये मुझे मरने के बाद ही पता चलेगा।
एक बात मैं गलत समझी थी नागराज और एक बात तुम गलत समझे
सच का पता तुमको मरने के बाद नहीं...
...मरने से पहले चलना था।
आज नहीं! नगीना आज नहीं।
आज तेरे हर वार को नागराज सह लेगा क्योंकि आज दांव पर पृथ्वी का पूरा इतिहास भी लगा है और भविष्य भी।
सौडांगी, शीतनाग! आदमों का संपर्क मिस किलर की मशीन से तोड़ दो।
मिस किलर की गर्दन का नंबर उसके बाद आएगा।
अब कोई कुछ नहीं कर सकता, नागराज! पूरा सिस्टम ठप हो गया है। अब न कुछ मिटाया जा सकता है और न ही नया बनाया जा सकता है।

एसेम्बली में-
अरे! इसे अचानक क्या हो गया?
पता नहीं! और ये पता करने का टाईम है भी नहीं।

पूरी दुनिया में विनाश की एक नई सुनामी दौड़ गई
और ये पहली विनाश की लहर से कहीं अधिक विनाशकारी थी।

परंतु इस विनाश को रोकने के लिए आपदा प्रबंधन भी जारी था।
तू सिर्फ एक जगह पर ही राज कर सकती है। नागद्वीप की उसी कालगुफा में जहां पर तुझे बंदी बनाकर छोड़ा गया था।
वहां से तो वापस आया जा सकता है। पर तुझे मैं ऐसी जगह पर भेजूंगी...

जहां से न कभी कोई वापस आया है और ना ही आएगा।

नगीना, ये...ये तू क्या कर रही है?
घबराओ मत, सिस्टर किलर...
इस पर मेरा पूरा नियंत्रण है। अब न तो नागराज की शक्तियां चल पाएंगी और न ही नागराज चल पाएगा।

आऽऽऽ! इसकी शक्तियां तो और बढ़ गई हैं। इसके वार में पहले से दस गुना अधिक दम है।

और मुझमें दस गुना कम!

ओफ! ये हर आदम को होने वाले दर्द को महसूस कर रहा है और इससे इसकी बेचैनी बढ़ती जा रही है।

काश , वे आदम इसके सामने होते तो शायद ये पहले की तरह उनकी शक्ति लेकर उनको विखंडित कर देता।

एक मिनट! आदमों का संपर्क इससे जुड़ा है। यानि इसका संपर्क आदमों से जुड़ा है। बस...

...अब किसी तरह यह विचार इसके दिमाग में डालना है कि...
सुनो। ध्यान दो। तुम्हारे दर्द को कारण मैं नहीं, वे हैं जो स्क्रीन पर नजर आ रहे हैं।
उनका दर्द तुम्हारा दर्द बन रहा है। खींच लो उनकी शक्ति नष्ट कर दो उनको।
हां। ऐसा...मैं...कर सकता..हूं।
नहीं। इसका दिमाग मेरे काबू में है। वैसे भी...तुम्हारी कोई शक्ति इस पर काम नहीं आएगी।
सम्मोहन, शक्ति नहीं है, नगीना और न ही कोई हथियार। ये तो एक कला है। और कला को दुनिया की कोई शक्ति उभरने से रोक नहीं सकती।
खत्म कर दो उनको , दोस्त जो तुमको दर्द दे रहे हैं। कष्ट दे रहे हैं। खत्म कर दो।
नागराज की योजना कामयाब होती नजर आ रही थी।
क्योंकि पूरी दुनिया में विखंडित होना शुरू हो गए थे...
...आदम
पेरिस में-
भारत में-
जापान में-
अरे। ये इसकी कोई नई शक्ति है क्या?
मुझे तो लगता है कि ये गया। अब वापस आने वाला नहीं है।
पर गया तो गया कहां?

आदम पुत्र के शरीर में। वहीं से जहां से आए थे।
इसे रोको नागराज। वर्ना दुनिया पर दूसरी आफत टूटते देर नहीं लगेगी।
तूने मेरे सपनों पर पानी फेरा है, नागराज। नगीना कसम खाती है कि वह तुझे ऐसी जगह पर ले जाकर मारेगी जहां पानी भी न मिले।
नहीं सौडांगी, अब मैं इस लड़के को अकेला छोड़ कर नहीं जाऊंगा। नगीना को हम कभी भी पकड़ सकते हैं।
कमाल है। मुझे तो लगा तूने यह कसम पहले ही खा रखी है।
और फिर नागद्वीप पर...
प्रणाम, मात्मन्। कैसे हैं आप?
अच्छा हूँ। कुण्डलिनी भी लगभग पूर्ण जाग्रत हो चुकी है। पर तुम्हारे साथ ये यहां पर क्यों...?
अ...एक पल, महात्मन्। ये मेरे एक पुराने जानकार का पुत्र है। अभी एक ताजा-ताजा हुए हादसे में किसी ने इसको सम्मोहित कर दिया और इस कारण यह अपनी याददाश्त खो चुका है।
अब अगर ये आपके साथ होगा तो ये सुरक्षित रहेगा।
...और हम सब भी।
समाप्त

सदियों पुराना एक आदेश जिसने रखी
विश्व आतंकवाद की नींव!
World Terrorism
नागराज
आँर्डर OF बेबल
ADVENTURE IN GERMANY
DOWNCOMIX.COM

वे अंधेरे से आते हैं और अंधेरे में ही समा जाते हैं! इनको नफरत है उनसे, जिनको रोशनी से प्यार है... पृथ्वी के हर जीव से! ये विलीन कर देंगे प्रकाश को अन्धकार में क्योंकि ये हैं...
A.H.W. TIGER SERIES
निगेटिव्स
और इनको रोक सकने कि शक्ति किसी में नहीं है!...किसी में भी नहीं!
राज कॉमिक्स पेश करते हैं, हर चेहरे के रंग उड़ा देने वाला, हर पल रंग बदलता एक महाविशेषांक!
DOWNCOMIX.COM